फीफा विश्व कप रेफरी उमर आर्टन को वैध वीज़ा होने के बावजूद अमेरिका में प्रवेश नहीं मिला

नई दिल्ली

सोमालिया के रेफरी उमर आर्टन, जिन्हें फीफा विश्व कप में मैच अधिकारियों की सूची में शामिल किया गया था, को अमेरिका में प्रवेश नहीं दिया गया। इसके साथ ही फुटबाल के सबसे बड़े टूर्नामेंट में मैच संचालित करने वाले अपने देश के पहले रेफरी बनने का उनका सपना टूट गया।

वर्ष 2025 में अफ्रीका के सर्वश्रेष्ठ रेफरी चुने गए उमर आर्टन को मियामी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अमेरिकी सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा एजेंसी ने रोक दिया।

सोमवार को जारी बयान में एजेंसी ने कहा कि आर्टन को नियमित प्रक्रिया के तहत अतिरिक्त जांच के लिए रोका गया था।

बयान में कहा गया, जांच के बाद पाया गया कि विश्व कप रेफरी के रूप में यात्रा कर रहे व्यक्ति को सत्यापन संबंधी चिंताओं के कारण प्रवेश के लिए अयोग्य माना गया और उन्हें अमेरिका में प्रवेश नहीं दिया गया।

हालांकि एजेंसी ने इन चिंताओं के बारे में कोई विस्तृत जानकारी साझा नहीं की।

उमर आर्टन फीफा विश्व कप के लिए चुने गए सोमालिया के एकमात्र रेफरी थे। जून 2025 से सोमालिया उन देशों की सूची में शामिल है जिन पर अमेरिका ने पूर्ण यात्रा प्रतिबंध लागू किया हुआ है, हालांकि विशेष परिस्थितियों में कुछ मामलों में छूट दी जा सकती है।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, आर्टन के पास वैध वीज़ा और राजनयिक पासपोर्ट दोनों मौजूद थे, लेकिन अमेरिकी अधिकारियों ने उन्हें प्रवेश के लिए पर्याप्त नहीं माना।

सोमालिया के युवा एवं खेल मंत्रालय के वरिष्ठ सलाहकार सीसे अदन अबशीर ने इस फैसले की आलोचना की।

उन्होंने कहा, एक आधिकारिक बयान में कहा, उमर आर्टन अफ्रीका के सबसे सम्मानित रेफरियों में से एक हैं और उन्हें पूरे फुटबाल समुदाय का समर्थन मिलना चाहिए। अमेरिका में प्रवेश से इनकार करना और उन्हें निर्धारित मुकाबलों में रेफरी की भूमिका निभाने से रोकना केवल उनके साथ अन्याय नहीं है, बल्कि यह फुटबाल के निष्पक्षता, योग्यता और खेल भावना के सिद्धांतों को भी कमजोर करता है।

उमर आर्टन इससे पहले वर्ष 2023 अफ्रीका कप आफ नेशंस में भी रेफरी की भूमिका निभा चुके हैं और वर्ष 2025 में उन्हें महाद्वीप का सर्वश्रेष्ठ रेफरी चुना गया था।

विश्व कप की शुरुआत से पहले यात्रा संबंधी यह नया विवाद सामने आया है। इससे पहले ईरान की राष्ट्रीय फुटबाल टीम के खिलाड़ियों को अमेरिका में प्रवेश के लिए वीज़ा मिल गया था, लेकिन ईरान फुटबाल महासंघ ने दावा किया था कि उसके 14 अधिकारियों और स्टाफ सदस्यों को वीज़ा देने से इनकार कर दिया गया। महासंघ ने इसे अमेरिका, इज़राइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बाद प्रतिशोधात्मक व्यवहार बताया था।

न्यूज ब्रीफ

अंतिम क्षणों में कोडी गाक्पो के पेनाल्टी गोल से नीदरलैंड ने उज्बेकिस्तान को हराया

न्यूयार्क। फीफा विश्व कप की तैयारियों के तहत खेले गए अभ्यास मुकाबले में नीदरलैंड ने रोमांचक अंदाज में

उज्बेकिस्तान को 2-1 से हरा दिया। बंद दरवाजों के पीछे खेले गए इस मुकाबले में कोडी गाक्पो ने दोनों गोल पेनाल्टी पर किए, जिसमें जीत दिलाने वाला गोल मैच की आखिरी किक पर आया। मैच की शुरुआत से ही नीदरलैंड ने दबाव बनाया और 31वें मिनट में बढ़त हासिल की। क्रिसेंसियो समरविल को बाक्स के भीतर गिराए जाने के बाद टीम को पेनाल्टी मिली, जिसे कोडी गाक्पो ने सफलतापूर्वक गोल में बदल दिया। पहले हाफ में नीदरलैंड पूरी तरह नियंत्रण में दिखाई दिया। हालांकि दूसरे हाफ में टीम की लय बिगड़ गई और उज्बेकिस्तान ने मुकाबले में वापसी कर ली। नीदरलैंड की ढीली खेल शैली का फायदा उठाते हुए उज्बेकिस्तान ने लगातार दबाव बनाए रखा। मुकाबला विवादों से भी घिरा रहा। नीदरलैंड की दो मजबूत पेनाल्टी अपील खारिज कर दी गईं, जबकि स्थानापन्न खिलाड़ी गूस टिल को 89वें मिनट में हैंडबाल के कारण लाल कार्ड दिखाया गया। इसी बीच अतिरिक्त समय के तीसरे मिनट में उज्बेकिस्तान ने बराबरी कर ली। इगोर सर्गेव ने टीम के एक प्रभावी हमले को गोल में बदलकर स्कोर 1-1 कर दिया। जब मुकाबला ड्रा की ओर बढ़ता दिख रहा था, तभी अंतिम क्षणों में एक और नाटकीय मोड़ आया। कार्नर के दौरान जीन-पाल वान हेके को गिरा दिए जाने पर रेफरी ने नीदरलैंड को दूसरी पेनाल्टी दे दी। कोडी गाक्पो ने एक बार फिर जिम्मेदारी संभाली और मैच की अंतिम किक पर गोल करके नीदरलैंड को 2-1 की जीत दिला दी। अब नीदरलैंड की टीम मंगलवार को अपने विश्व कप बेस कैंप कैनसस सिटी रवाना होगी, जहाँ से वह ग्रुप एफ में अपने पहले मुकाबले में रविवार को डलास में जापान का सामना करेगी। वहीं पहली बार विश्व कप में हिस्सा ले रहा उज्बेकिस्तान ग्रुप के में शामिल है और 18 जून को मेक्सिको सिटी में कोलंबिया के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा।

भारत में टी20 विश्वकप में खेलना चाहती थी टीम , बांग्लादेश के क्रिकेटर लिटन दास ने पाकिस्तान और अपने बोर्ड की खोली पोल

ढ़ाका। बांग्लादेश के विकेटकीपर बल्लेबाज लिटन दास ने अपने ही देश के क्रिकेट बोर्ड पर निशाना साधा है। लिटन ने कहा कि टीम भारत में हुए टी20 विश्वकप को खेलना चाहती थी पर बोर्ड ने सुरक्षा का डर दिखाकर उन्हें रोक दिया था जबकि उनकी टीम ने बेहद खतरनाक हालातों में पाकिस्तान जैसे देश में खेला था। इस पूरे मामले पर अब लिटन दास का वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। इसमें उन्होंने बीसीबी के साथ ही पाकिस्तान दौर के खराब हालातों के बारे में बताया है। वीडियो में लिटन दास ने कहा कि बीसीबी के अधिकारियों ने बेवजह भारत में सुरक्षा के खतरे का बहाना बनाया। उन्होंने कहा, बीसीबी अधिकारी ने हमसे कहा कि भारत में कोई सुरक्षा नहीं है। तब हमने उनसे कहा भी था कि हमने पाक में भी खेला है। वहा हालात इतने खराब थे कि कमरे के बाहर पुलिस वाले बंदूकें लेकर खड़े रहते थे। ऐसे में हम भारत में भी खेल सकते हैं। इससे साफ है कि बांग्लादेश बोर्ड ने जबरन अपनी टीम को खेलने से रोका था। यह पूरा मामना आईसीसी टी20 विश्व कप 2026 में बांग्लादेश के बहिष्कार से जुड़ा है। भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में आयोजित इस टूर्नामेंट में बांग्लादेश ने हिस्सा नहीं लिया था, जिसके बाद उसकी जगह स्काटलैंड को शामिल किया गया था।

निरंतरता और धैर्य है मेरी सफलता का राज : मानव सुथार

न्यू चंडीगढ़। अपने डेब्यू मैच में ही शानदार गेंदबाजी कर रिकार्ड बनाने वाले नये स्पिनर मानव सुथार ने

अपनी सफलता का श्रेय किसी व्यक्ति को न देते हुए अपनी निरंतरता और धैर्य से गेंदबाजी करने को दिया है। स्पिन आलराउंडर सुथार ने अफगानिस्तान के खिलाफ अपने करियर के पहले टेस्ट में कुल 7 विकेट लेकर अपनी प्रतिभा साबित की है। इस क्रिकेटर ने अपनी बल्लेबाजी और घातक गेंदबाजी से हर किसी को अपना प्रशंसक बना लिया है। अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट में इस क्रिकेटर ने बल्लेबाजी के दौरान भी 28 रन भी बनाये। सुथार ने पहली पारी में 6 विकेट जबकि दूसरी पारी में 1 विकेट लिया। इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर आफ द मैच का अवार्ड भी मिला। मैच के बाद इस स्पिनर ने कहा कि यहां की पिच को समझने के साथ ही निरंतरता और धैर्य के साथ गेंदबाजी करने से भी उन्हें लाभ हुआ है। बार-बार एक ही जगह गेंद डालनी होती है।

स्टोक्स ने लार्ड्स की पिच पर निशाना साधा, ऐसी पिचों से टेस्ट क्रिकेट का भला नहीं हो सकता

लंदन

इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने लार्ड्स मैदान की पिच पर निशाना साधा है। स्टोक्स ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में 115 रनों की जीत के बाद कहा कि इस प्रकार की पिच से टेस्ट प्रारुप को नुकसान ही होगा। बारिश से प्रभावित इस मैच में गेंदबाज हावी रहे। पिच पर उछाल असामान्य नजर आया जिससे बल्लेबाजों को परेशानी हुई। इंग्लैंड ने यह मैच दूसरे दिन ही जीत लिया। वह मैच के इतने कम समय में समाप्त होने से नाराज दिखे, इसी कारण उन्होंने पिच पर सवाल उठाये हैं।

उन्होंने कहा, एक ऐसे खिलाड़ी के तौर पर जो टेस्ट क्रिकेट से बेहद प्यार करता है, मैं पूछना चाहता हूँ कि क्या इस तरह की पिचें टेस्ट प्रारुप को बढ़ावा देंगी मेरा मानना है- बिल्कुल नहीं। स्टोक्स ने टेस्ट क्रिकेट के अस्तित्व को बचाने के बारे में भी बात की है। उन्होंने जोर देकर कहा, मुझसे अक्सर इस प्रारुप को बचाने और इसके भविष्य को लेकर सवाल पूछे जाते हैं पर टेस्ट क्रिकेट को बचाने जैसी बात मेरी समझ से थोड़ी परे है, लेकिन मेरा मानना है कि खेल पूरे पांच दिन चलना चाहिए। अगर इस मैच में मौसम की बाधा नहीं तोत तब भी यह मुकाबला चौथे दिन तक नहीं पहुँच पाता। जो लोग टेस्ट को क्रिकेट का सबसे बेहतरीन प्रारुप मानते हैं और इसे कभी खत्म होते नहीं देखना चाहते, उनके हिसाब से लार्ड्स की यह पिच किसी भी हाल में सही नहीं थी।

वहीं लार्ड्स मैदान की देखभाल करने वाली संस्था मैरीलेबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने पिच के ऐसे व्यवहार पर माफी मांगी है। एमसीसी ने पिच की खराब हालत के लिए खराब मौसम को जिम्मेदार बताया है। ये मैच लार्ड्स के इतिहास का दूसरा सबसे छोटा टेस्ट मैच साबित हुआ, जिसके बाद क्लब ने आधिकारिक तौर पर इस निराशाजनक स्थिति के लिए माफी भी मांगी है।

वैभव सूर्यवंशी का अनूठा डाइट प्लान : स्वाद से समझौता नहीं, प्रदर्शन में कोई कमी नहीं

नई दिल्ली। आधुनिक क्रिकेट में अब खिलाड़ियों का प्रदर्शन केवल उनके कौशल तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि फिटनेस भी टीम में चयन का एक महत्वपूर्ण पैमाना बन चुकी है। खिलाड़ी न केवल घंटों नेट पर पसीना बहाते हैं, बल्कि जिम में कठोर वर्कआउट करते हुए अनुशासित डाइट प्लान का भी पालन करते हैं पर उभरते क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी का अंदाज इससे अलग है। महज 15 साल की उम्र में अपने प्रदर्शन से सबका ध्यान खींचने वाले वैभव खाने के बहुत शौकीन हैं और किसी प्रकार का परहेज नहीं रकते। उनके इस शौक के कारण कई बार उनकी फिटनेस पर सवाल भी उठे, लेकिन मैदान पर उनके धमाकेदार खेल पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। ऐसे में क्रिकेट प्रेमी यह जरूर जानना चाहेंगे कि आखिर 15 साल के इस उभरते हुए बल्लेबाज को किस तरह का खाना पसंद है और उनका डाइट प्लान क्या है। वैभव अपने एक बार कहा था कि उन्हें घर का बना खाना बेहद पसंद है। खासतौर पर नानवेज फूड में उन्हें मटन खाने का बहुत शौक है, जिसे वह बेहद चाव से खाते हैं। इसके अलावा, चिकन और हाई प्रोटीन के लिए मछली भी उनकी डाइट का हिस्सा हैं। सिर्फ मांसाहारी भोजन ही नहीं, वैभव मिठाई के भी बहुत बड़े शौकीन हैं। जब भी उन्हें मौका मिलता है, वह स्वादिष्ट राजभोग का स्वाद लेते हैं। इसके साथ ही आइसक्रीम भी उनकी पसंदीदा चीजों में से एक है। फिलहाल, वैभव खाने-पीने में कोई खास परहेज नहीं करते और जो उन्हें पसंद आता है, उसे खाते हैं। उनका यह बेपरवाह अंदाज आज के युवा खिलाड़ियों के सख्त डाइट रूटीन से काफी अलग है। यह भी ध्यान देने योग्य बात है कि आईपीएल 2026 के दौरान जब वैभव से उनकी फिटनेस के बारे में पूछा गया था, तो उन्होंने इस बात को स्वीकार किया था कि वह धीरे-धीरे अपने डाइट प्लान में बदलाव करेंगे। उनका मानना है कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए उन्हें अपनी फिटनेस को और बेहतर बनाना होगा। हालांकि, वैभव दिखने में भले ही थोड़े भारी लगते हों, लेकिन मैदान पर जब उनका बल्ला बोलता है, तो पता चलता है कि वह पूरी तरफ से फिट हैं।

माइकल ओलिसे की हैट्रिक से फ्रांस ने उत्तरी आयरलैंड को 3-1 से हराया

लिले

फीफा विश्व कप की तैयारियों के तहत खेले गए अभ्यास मुकाबले में सोमवार को फ्रांस ने माइकल ओलिसे की शानदार हैट्रिक की बदौलत उत्तरी आयरलैंड को 3-1 से हरा दिया। इस जीत के साथ फ्रांस ने पिछले सप्ताह आइवरी कोस्ट के खिलाफ मिली हार से वापसी की, हालांकि टीम की रक्षात्मक कमजोरियां एक बार फिर सामने आईं।

फ्रांस के लिए माइकल ओलिसे ने एक बार फिर अपनी अहमियत साबित की और विश्व कप से पहले टीम के सबसे प्रभावशाली आक्रमणकारी खिलाड़ियों में खुद को स्थापित किया।

मुख्य कोच दिदिए देशां ने इस मुकाबले में लगभग वही टीम उतारी, जिसे विश्व कप के पहले मैच में खेलने की संभावना है। ओलिसे ने किलियन एम्बाप्पे, उस्मान डेम्बेले और डिज़ायर डूए के पीछे खेलते हुए आक्रमण की कमान संभाली, जबकि रक्षा में विलियम सलीबा और दायोट उपामेकानो की जोड़ी उतरी। मुकाबले की शुरुआत में फ्रांस लय हासिल नहीं कर पाया और उत्तरी आयरलैंड की मजबूत रक्षात्मक रणनीति को तोड़ने में संघर्ष करता रहा। शुरुआती चरण में टीम को ज्यादा स्पष्ट मौके नहीं मिले। पहला गोल पहले हाफ के समाप्त होने से दो मिनट पहले आया। बाएं छोर से डिज़ायर डूए के तेज आक्रमण के बाद गेंद डेम्बेले तक पहुंची। उनके शाट पर डिफ्लेक्शन हुआ और गेंद माइकल ओलिसे के सामने आ गई, जिन्होंने नजदीक से गोल कर फ्रांस को 1-0 की बढ़त दिला दी। दूसरे हाफ की शुरुआत के चार मिनट बाद ओलिसे ने एक और गोल कर अंतर दोगुना कर दिया। उत्तरी आयरलैंड की रक्षा गेंद को साफ नहीं कर सकी और ओलिसे ने हाफ-वाली के जरिए गेंद को जाल में पहुंचा दिया।

हालांकि मैच पर नियंत्रण बनाए रखने के बावजूद फ्रांस की रक्षापंक्ति फिर दबाव में दिखी। इसका फायदा उठाते हुए शिया चार्ल्स ने दाएं छोर से शानदार क्रास दिया, जिस पर पैट्रिक केली ने गोल कर स्कोर 2-1 कर दिया।

पेरु और स्पेन के फुटबॉलर

मैक्सिको के पुबेला में फुटबाल के एक मैत्री मुकाबले में खेलते हुए पेरु और स्पेन के फुटबालर।

वेस्टइंडीज ने श्रीलंका टी-20 श्रृंखला के लिए टीम घोषित की, आगस्टे, एंड्रयू और स्प्रिंगर की वापसी

नई दिल्ली

वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड ने श्रीलंका के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए टीम की घोषणा कर दी है। इस टीम में अकीम आगस्टे, ज्वेल एंड्रयू और शमर स्प्रिंगर की वापसी हुई है। जमैका में आयोजित होने वाली इस श्रृंखला के लिए चुनी गई टीम में हाल ही में टी-20 विश्व कप खेलने वाली टीम से कुछ बदलाव किए गए हैं। जानसन चार्ल्स, क्वेंटिन सैम्पसन और जेडन सील्स को इस बार टीम में जगह नहीं मिली है, जबकि तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ को कार्यभार प्रबंधन योजना के तहत चयन के लिए नहीं माना गया।

22 वर्षीय अकीम आगस्टे अब तक नौ टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेल चुके हैं। 19 वर्षीय ज्वेल एंड्रयू ने इस प्रारूप में पांच मैच खेले हैं, जबकि हरफनमौला खिलाड़ी शमर स्प्रिंगर छह टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में वेस्टइंडीज का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।

इसके अलावा तेज गेंदबाज शमर जोसेफ, जो निजी कारणों से एकदिवसीय टीम छोड़कर स्वदेश लौट गए थे, उनके टी-20 श्रृंखला से पहले टीम के साथ जुड़ने की उम्मीद है।

मुख्य कोच डेरेन सैमी ने कहा, भारत में हुए विश्व कप के बाद यह हमारी पहली टी-20

श्रृंखला है। टीम ने वहाँ जुनून, संघर्ष और एकजुटता दिखाई थी, जो वेस्टइंडीज क्रिकेट की पहचान है। अब हमारा लक्ष्य उसी प्रदर्शन को आगे बढ़ाना और श्रीलंका के खिलाफ मजबूत प्रतिस्पर्धा करना है।

तीनों टी-20 मुकाबले जमैका के सबीना पार्क में 11, 13 और 14 जून को खेले जाएंगे। इसके बाद दोनों टीमें एंटीगुआ में दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेलेंगी। इससे पहले श्रीलंका ने एकदिवसीय श्रृंखला 1-0 से जीती थी, जबकि अंतिम दो मुकाबले बारिश के कारण रद्द हो गए थे।

श्रीलंका के खिलाफ वेस्टइंडीज की टी-20 टीम:

शाई होप (कप्तान), ज्वेल एंड्रयू, अकीम आगस्टे, रोस्टन चेस, मैथ्यू फोर्ड, शिमरान हेटमायर, जेसन होल्डर, अकील होसैन, शमर जोसेफ, ब्रैंडन किंग, गुडाकेश मोती, रोवमैन पावेल, शेरफेन रदरफोर्ड, रोमेरियो शेफर्ड, शमर स्प्रिंगर।

लगातार दूसरी बार बारिश बनी बाधा, श्रीलंका ने 23 साल बाद कैरेबियाई धरती पर जीती एकदिवसीय श्रृंखला

किंग्स्टन

सोमवार को लगातार दूसरे मुकाबले में बारिश ने खेल बिगाड़ दिया और वेस्टइंडीज और श्रीलंका के बीच सबीना पार्क में खेला जाने वाला तीसरा और अंतिम एकदिवसीय मुकाबला बिना एक भी गेंद फेंके रद्द हो गया। इसके साथ ही श्रीलंका ने तीन मैचों की श्रृंखला 1-0 से अपने नाम कर ली।

श्रृंखला के पहले मुकाबले में मिली 41 रन की जीत ने श्रीलंका को निर्णायक बढ़त दिला दी थी, जबकि अगले दोनों मुकाबले बारिश की भेंट चढ़ गए।

मैच अधिकारियों ने कई बार मैदान का निरीक्षण किया, लेकिन क्यूरेटर से चर्चा के बाद तय किया गया कि निर्धारित समय सीमा तक 20 ओवर का मुकाबला शुरू कराना संभव नहीं होगा।

यह जीत श्रीलंका के लिए ऐतिहासिक रही क्योंकि टीम ने 23 साल बाद कैरेबियाई धरती पर एकदिवसीय श्रृंखला जीती है। इससे पहले श्रीलंका ने वर्ष 2003 में वेस्टइंडीज में

एकदिवसीय श्रृंखला अपने नाम की थी।

नई जिम्मेदारी संभाल रहे मुख्य कोच गैरी कर्स्टन और नए कप्तान कुसल मेंडिस के लिए यह शानदार शुरुआत रही। हालांकि बारिश के कारण टीम को अधिक मैच अभ्यास का मौका नहीं मिल पाया।

श्रृंखला जीतने के बाद कप्तान कुसल मेंडिस ने कहा, श्रृंखला जीतकर बहुत खुशी हो रही है। पहले मुकाबले में हमने बल्लेबाजी, गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण—तीनों विभागों में अच्छा प्रदर्शन किया। अगले विश्व कप से पहले ज्यादा मुकाबले नहीं हैं, इसलिए कप्तान के रूप में पहली श्रृंखला जीत मेरे लिए खास है। कोचिंग स्टाफ का भी पूरा सहयोग मिला।

दूसरी ओर वेस्टइंडीज के लिए यह परिणाम निराशाजनक रहा। टीम को वापसी का मौका नहीं मिला और उसे तीन वर्षों में घरेलू मैदान पर पहली एकदिवसीय श्रृंखला हार झेलनी पड़ी।

इस हार का असर विश्व कप क्वालीफिकेशन की दौड़ पर भी पड़ सकता है। वेस्टइंडीज फिलहाल एकदिवसीय रैंकिंग में दसवें स्थान पर है और सीधे विश्व कप 2027 के लिए क्वालीफाई करने वाली शीर्ष आठ टीमों से बाहर है। आगे उसे न्यूजीलैंड और भारत जैसी मजबूत टीमों के खिलाफ श्रृंखलाएँ खेलनी हैं।

वेस्टइंडीज कप्तान शाई होप ने कहा, मौसम हमारे नियंत्रण में नहीं है। पहले मैच में श्रीलंका ने बेहतर खेल दिखाया और जीत का श्रेय उन्हें जाता है। अब हमारा ध्यान टी-20 श्रृंखला पर रहेगा और हमें परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालना होगा। अब दोनों टीमें टी-20 श्रृंखला की तैयारी करेंगी। तीन मैचों की टी-20 श्रृंखला 11 जून से शुरू होगी, जबकि अगले मुकाबले 13 और 14 जून को खेले जाएंगे। सभी मुकाबले किंग्स्टन के इसी मैदान पर आयोजित होंगे। हालांकि आने वाले दिनों में भी बारिश की संभावना बनी हुई है, ऐसे में मैदानकर्मियों के सामने मुकाबलों को समय पर कराने की बड़ी चुनौती होगी।